राष्ट्रीय पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम

सावधि ऋण योजना - ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड

सफलता की कहानी

लाभार्थी का नाम	**श्री राकेश वर्मा**
जिला एवं राज्य	**ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड**
योजना का नाम	**सावधि ऋण योजना**
ऋण स्वीकृति का वर्ष	**2019**
ऋण राशि	**रु. 1,70,000/-**
गतिविधि /व्यवसाय	**इलेक्ट्रिकल दुकान**
राज्य चैनेलाईजिंग एजेंसी का नाम	**उत्तराखण्ड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम**

यह सफलता की एक ऐसे नव-युवक की है जो अपनी मेहनत और लगन से सफलता की सीढ़ियाँ चढ़ रहा है। उस युवक का नाम है- राकेश वर्मा। राकेश वर्मा ग्राम-बेरिया दौलत, विकास खण्ड-बाजपुर, जिला- ऊधमसिंह नगर, उत्तराखण्ड के रहने वाले हैं। वे कक्षा दस तक पढ़े हैं। उनके परिवार में पत्नी और एक छोटी बेटी है। यह ऋण लेने से पहले इलेक्ट्रीशियन की एक छोटी सी दुकान अपने गाँव में चलाते थे। पैसों के अभाव में उनका काम ठीक से चल नहीं पा रहा था। उन्हें पैसों की सख्त जरूरत थी। उनके अन्दर कार्यक्षमता भी थी और कार्यइच्छा भी। वे जानते थे दुकान में आवश्यकतानुसार सामान बढ़ने से उनकी आमदनी बढ़ सकती है। आमदनी पर्याप्त नहीं थी जिससे घर का खर्च चलने में बड़ी मुश्किल होती थी।

उन्हें NBCFDC की योजनाओं की जानकारी प्राप्त हुई और यह भी मालूम हुआ कि उत्तराखण्ड बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम राज्य में NBCFDC की योजनाओं का कार्यान्वयन कर रही है। उन्होंने बाजपुर जाकर बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम के अधिकारियों को अपना परिचय देते हुए ऋण लेने की इच्छा व्यक्त की। राकेश ने आवश्यक कागजातों के साथ ऋण हेतु प्रार्थना-पत्र जमा कर दिया। राकेश बताते हैं कि ऋण आवेदन करने के 15-20 दिनों के भीतर ही उनका ऋण वर्ष 2019-20 में स्वीकृत हो गया और उन्हें इलेक्ट्रीशियन कार्य हेतु 1.70 लाख का ऋण निगम की सावधि योजना के अंतर्गत प्रदान किया गया। वे आगे बताते हैं कि उन्हें राज्य निगम ने बड़ा सहयोग किया और बिना किसी भाग-दौड़ व परेशानी के ऋण सहायता प्राप्त हुई।

चूँकि, श्री राकेश पहले से इलेक्ट्रीशियन के कार्य से जुड़ हुए थे; अतः उन्हें कार्य को आगे बढ़ाने में कोई कठिनाई नहीं हुई। वे बताते हैं कि अब मैं होल-सेल का काम भी कर रहा हूँ। मेरे पास बिजली से संबंधित सारा सामान जैसे- वायर, मोटर, पंखे, कूलर, स्विच, सॉकेट इत्यादि सभी सामान उपलब्ध है। दुकान पर सामान की बिक्री के साथ-साथ नए मकानों/भवनों में बिजली फिटिंग कार्य के ठेके भी लेता हूँ। उनके पास ट्रेनर/सीखने वाले युवा भी काम करते हैं तथा इसके साथ ही साथ तीन लोगों को दैनिक/मासिक आधार पर दुकान में रखा है। वे कहते हैं कि NBCFDC की ऋण सहायता मिलने के बाद श्री राकेश अब 20 से 25 हजार रूपए प्रति माह आय आमदनी कर रहे हैं जो ऋण लेने से पहले की आमदनी से 2 से 3 गुणा है। वे बताते हैं कि मैं मासिक ऋण की मासिक किश्तें समय पर जमा कर रहा हूँ। मेरे परिवार अब बड़ी आसानी से चल रहा है। मैं कई लोगों को रोजगार देने में सफल हो सका हूँ।

श्री राकेश बताते हैं कि मैं NBCFDC एवं राज्य निगम की योजनाओं के बारे में लोगों को बताता हूँ और उन्हें ऋण सहायता के माध्यम से स्व-रोजगार हेतु प्रेरित कर रहा हूँ। वे NBCFDC एवं राज्य निगम के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं।